पीएयू ने की विकसित गेहूं की 3 नई किस्में; बुआई की सिफ़ारिश

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पी ए यू), लुधियाना ने बरसीम व जई की एक-एक किस्म और गेहूं की तीन नई किस्में विकसित की हैं, जिनकी सिफ़ारिश पंजाब में सामान्य खेती के लिए की गई है। गेहूं की नई किस्में हैं पी बी डब्लयू 803, पी बी डब्लयू 824 और पी बी डब्लयू 869; बरसीम की नई किस्म है बी एल 44 और जई की नई किस्म है औ एल 15।

पंजाब के कृषि निदेशक सुखदेव सिंह सिद्धू की अध्यक्षता में हुई राज्य किस्म अनुमोदन समिति (एस वी ए सी) की बैठक के दौरान इन किस्मों को मंज़ूरी दी गई। पी ए यू के निदेशक अनुसंधान नवतेज सिंह बैंस और विस्तार शिक्षा निदेशक जसकर्ण सिंह महल के अनुसार, सभी किस्मों की मुख्य विशेषताओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

पंजाब के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र, जिसमें बठिंडा, फ़रीदकोट, फ़ाज़िल्का, फ़िरोज़पुर, मानसा और मुक्तसर ज़िले शामिल हैं, में सिंचित, समय पर बुवाई की परिस्थितियों में गेहूं की किस्म पी बी डब्लयू 803 लगाने की सिफ़ारिश की गई है। इसके पौधों की औसत ऊँचाई 100 सेंटीमीटर है, और यह लगभग 151 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाती है।

पी बी डब्लयू 803 भूरा रतुआ रोग के लिए प्रतिरोधी है और पीला रतुआ के लिए मध्यम प्रतिरोधी है। इसकी औसत उपज 22.7 क्विंटल प्रति एकड़ है। मध्यम अवधि की किस्म होने के कारण, यह अजैविक तनाव वाले दक्षिण-पश्चिमी के क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करती है।

गेहूं की किस्म पी बी डब्ल्यू 824 की सिफ़ारिश पंजाब में सिंचित, समय पर बोई जाने वाली परिस्थितियों में सामान्य खेती के लिए की गई है। इसके पौधों की औसत ऊँचाई 104 सेंटीमीटर है, और यह लगभग 156 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाती है।

पी बी डब्ल्यू 824 भूरा रतुआ रोग के लिए प्रतिरोधी है और पीला रतुआ के लिए मध्यम प्रतिरोधी है। इसकी औसत उपज 23.3 क्विंटल प्रति एकड़ है। इसमें उच्च हेक्टोलीटर वज़न होता है।

बोरलॉग इंस्टीच्यूट फॉर साउथ एशिया (बी आई एस ए), लुधियाना और पी ए यू द्वारा किए गए अनुसंधान और अनुकूल परीक्षणों के आधार पर गेहूं की किस्म पी बी डब्ल्यू 869 की बुवाई की

सिफ़ारिश हैप्पी सीडर/सुपर सीडर के साथ धान के अवशेषों का प्रबंधन किए हुए खेतों में की गई है। इसके पौधों की औसत ऊँचाई 101 सेंटीमीटर है, और यह लगभग 158 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाती है।

पी बी डब्ल्यू 869 भूरा रतुआ रोग के लिए प्रतिरोधी है और पीला रतुआ के लिए मध्यम प्रतिरोधी है। इसकी औसत उपज 23.2 क्विंटल प्रति एकड़ है। इसका 1000-अनाज वज़न अधिक है और इसका कोलिओप्टाइल लंबा होता है।

बी एल 44 अधिक फुटान और तेज़ी से बढ़ने वाली बरसीम की किस्म है। शोध के दौरान, बी एल 44 की हरे चारे की पैदावार बी एल 43 किस्म से 5.9 प्रतिशत अधिक हुई और इसमें बेहतर पोषक तत्व भी पाए गए।

जई कि किस्म औ एल 15, पंजाब के सिंचित क्षेत्रों के लिए एकल-कटाई वाली किस्म है। इसके पौधे ऊँचे और पत्ते लम्बे व चौड़े हैं और इसमें अधिक फुटान की क्षमता है।

इसके चारे की गुणवत्ता औ एल 12 व कैंट किस्मों से अधिक, और औ एल 13 के बराबर है। औसतन, औ एल 15 प्रति एकड़ लगभग 309 क्विंटल हरा चारा देती है। इसकी बीज उपज लगभग 9.8 क्विंटल प्रति एकड़ है।